

भाजपा सुनियोजित तरीके से गंभीरता से युवा नेताओं का “ग्रुप” तैयार कर रही है

इस “ग्रुप” के नेता आगामी बीस साल तक पार्टी को नेतृत्व प्रदान करेंगे, 2047 के लिए निश्चित “रोड मैप” का अनुसरण करते हुए, लक्ष्य तक पहुँचाएंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 1 जनवरी। भाजपा का आमूलचूल बदलाव, जो 2025 में शुरू हुआ था, इस वर्ष उसके गति पकड़ने की संभावना है। यह नेतृत्व में एक वीदीगत बदलाव का संकेत है।

अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, भाजपा रणनीतिक रूप से जनरेशन ज़ैड और मिलेनियल्स को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए काम कर रही है। ज्ञातव्य है कि इन वर्गों के बीच हाल ही में बढ़ते हुए असंतोष की घटनाएं सामने आई हैं। 15 अगस्त 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में 1,00,000 ऐसे युवाओं को राजनीति में लाने की बात कही थी, जिनका पहले कोई राजनीतिक जुड़ाव नहीं रहा। पिछले साल जनवरी

- इस दृष्टि से मकर सक्रांति के बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल में युवा चेहरों पर फोकस होगा।
- इसी प्रकार नव चयनित पेंतालीस वर्षीय पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन जब अगले माह अपनी जिम्मेवारी संभालेंगे और अपने पदाधिकारियों की नई टीम गठित करेंगे, पार्टी के कई महासचिव व सचिव व अन्य पदाधिकारियों की जगह युवा नेताओं को स्थान दिया जाएगा।
- राज्यसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या बढ़ेगी, बिहार, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में पार्टी को मिली सफलता के कारण। इस बार राज्यसभा में 37 सीटें, अप्रैल में खाली हो जाएंगी, पुराने सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के कारण। इन रिटायर हो रहे सदस्यों में भाजपा के 9 सांसद भी हैं। भाजपा के अब पहले से ज्यादा सदस्य चुने जाएंगे, राज्यसभा के सदस्य के रूप में। नये सदस्यों के चयन में भाजपा पुनः युवा नेताओं को मौका देगी।

में, विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद की शुरुआत की गई थी तथा प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया था।

जब नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष

नितिन नबीन अपनी टीम का गठन करेंगे, तब राष्ट्रीय संगठन में नये और युवा चेहरों को शामिल किये जाने की संभावना है। कई वरिष्ठ महासचिवों और सचिवों के स्थान पर युवा नेताओं को लाया जा

सकता है। नबीन को फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शराब के नशे में तेज वाहन चलाते हुए इन घायलों में से एक की मौत हो गई व 50 की हालत गंभीर है।

बढ़ोतरी दर्ज की गई। देर रात तक घायलों का सिलसिला चलता रहा और ट्रामा सेंटर पूरी तरह व्यस्त रहा।

एसएमएस ट्रामा सेंटर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी.एल. यादव ने बताया कि बीते 24 घंटों में कुल 299 घायल इलाज के लिए आए गए। इनमें से एक घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि 50 घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। शेष 249 घायलों को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भागवत ने अनुसार, अगर कोई किसी अन्य प्रदेश में रहता है तो उसको उस प्रदेश की भाषा भी सीखनी चाहिए। क्योंकि सभी भाषाएं, राष्ट्रीय भाषाएं हैं और सबका बराबर महत्व है।
- भाजपा के कई नेताओं ने भागवत के भाषण को सही बताया और समर्थन किया।
- पर, विपक्ष ने कटाक्ष किया कि भागवत किस राजनीतिक पार्टी के सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भाजपा तो उनकी इस सोच का अनुसरण नहीं करती और न ही उनके इस उदार सोच से प्रेरणा लेती है।

भागवत के ये बयान क्षेत्रीय दलों, खासकर दक्षिण भारतीय दलों द्वारा लगाए गए इन आरोपों के बीच आए हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार “क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर हिंदी को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रही है।” भागवत के बयान उस समय आए हैं, जब त्रिपुरा के एक छात्र एंजेल चकमा की देहरादून में कथित नस्ली उत्पीड़न के बाद हुई हत्या के बाद देश भर में नाराजगी बढ़ रही है। सार्वजनिक आक्रोश के बीच, भागवत ने दोहराया कि पूरा देश सभी का है और सौहार्द भारत की पहचान है। भागवत ने कहा, “कम से कम

हमारे घरों के अंदर हमें अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए। यदि आप किसी अन्य राज्य या क्षेत्र में रहते हैं, तो आपको उस राज्य या क्षेत्र की भाषा सीखनी चाहिए, क्योंकि सभी भाषाएँ भारत की राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। उनका सभी का समान महत्व है,” भागवत छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के सोनपैरी गाँव में आयोजित “हिंदू सम्मेलन” को संबोधित कर रहे थे।

कई भाजपा नेताओं ने आर.एस.एस. प्रमुख के इन बयानों की सराहना की तथा कहा कि उनके संदेश ने “भारतीय पहचान की सबको साथ

लेकर चलने की प्रकृति को रेखांकित किया”।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भागवत ने सही भावना में बात की है। पाठक बोले “उन्होंने सही कहा है। वे लगातार सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देते हैं, लोगों को एकजुट करते हैं, और हम सभी एक ऐसे तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, जो भारत की संस्कृति को दर्शाता है, जिसमें सभी को शामिल किया गया है,” शिवसेना नेता शायना एनसी ने इस पर प्रतिक्रिया दी कि भारत हमेशा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली

भारतीय मूल के ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के 112वें मेयर चुने गए हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 1 जनवरी। ज़ोहरान ममदानी ने एक भव्य समारोह में न्यूयॉर्क सिटी के 112वें मेयर के रूप में शपथ ली। यह ऐतिहासिक समारोह मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में हुआ। भारतीय मूल के इस डेमोक्रेट नेता ने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम मेयर के रूप में शपथ ली, और शपथ लेते समय अपना हाथ पवित्र कुरान पर रखा। ऐसा करने वाले ये पहले मेयर हैं।

गुरुवार की आधी रात के बाद ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बन गए, और मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में शपथ ग्रहण के बाद ममदानी ने कहा, यह पुराना सबवे स्टेशन न्यूयॉर्क

- ममदानी ने न्यूयॉर्क के पुराने विख्यात सिटी हॉल सबवे स्टेशन पर शपथ ली। अपनी मेहराबदार छतों के लिए विख्यात यह स्टेशन 1945 से ही बंद है।
- शपथ ग्रहण के बाद ज़ोहरान ने कहा, “यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य है।”

सिटी की जान, स्वास्थ्य, और विरासत के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट के महत्व का प्रमाण है।

एसोसिएटेड प्रैस ने बताया, यह सबवे स्टेशन शहर के शुरुआती सबवे स्टॉप्स में से एक है और अपनी शानदार मेहराबदार छतों के लिए प्रसिद्ध है। यह 1945 से बंद है।

ममदानी के कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, “लंबे समय से बंद

सबवे स्टेशन का चुनाव उन मेहनती लोगों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो हर दिन हमारे शहर को चलाते हैं। यह उस दौर का प्रतीक है, जब न्यूयॉर्क ने रोजमर्रा की जिंदगी का बेहतर बनाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश किया था। हमारा प्रशासन इसे फिर से शुरू करना चाहता है।”

ममदानी ने कहा, “यह सच में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल और खड़गे ने नववर्ष की बधाई दी

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को देशवासियों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दी और प्रगति एवं समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामना संदेश पोस्ट करते हुए कहा,

- दोनों नेताओं ने प्रगति व समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

”इस उत्सासपूर्ण नववर्ष पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, नया साल, कमजोर वर्गों के अधिकारों, काम का अधिकार, वोट का अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार की रक्षा के लिए जन आंदोलन बनें।” गांधी ने भी अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, ”आप सभी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान को पछाड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

अधिकारियों ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन साल में भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान पर आ जाएगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 1 जनवरी। साल 2025 खत्म होने से पहले ही भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह जानकारी सरकार की साल के अंत की आर्थिक समीक्षा में दी गई है। अधिकारियों को उम्मीद है कि भारत अगले कुछ वर्षों में जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा।

अधिकारियों का कहना है कि अगले तीन वर्षों के भीतर भारत जर्मनी को पार कर सकता है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत का नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.18 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे वह अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर आ गया है।

हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि 2026 में आएगी, जब सालाना जीडीपी

- सरकार ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक है, “2025 : ए डिफाइनिंग इयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ”। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 4.18 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी ग्रोथ के साथ भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है और 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी प्रस्तावित है, तब भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे नम्बर पर आ जाएगा।

- वर्ष 2022 में भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ कर पाँचवें स्थान पर आ गया था। सरकार ने दावा किया कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधी तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद सतत ग्रोथ भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को दर्शाती है।

- आबादी की दृष्टि से चीन को पीछे छोड़ कर भारत पहले स्थान पर है और भारत की 1.4 बिलियन आबादी 10 से 26 साल के बीच की है और इस युवा वर्ग के लिए भारी रोजगार सृजन की जरूरत है।

के अंतिम आंकड़े जारी किए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के

आंकड़े बताते हैं कि भारत इस साल जापान को पार कर जाएगा। आईएमएफ

के 2026 के अनुमान के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर और जापान की 4.46 ट्रिलियन डॉलर होगी।

सरकार की हाल में जारी रिपोर्ट “2025: ए डिफाइनिंग इयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ” में कहा गया है कि “भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और इस रफ्तार को बनाए रखने की अच्छी स्थिति में है। 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले ढाई से तीन साल में 7.3 ट्रिलियन डॉलर की अनुमानित जीडीपी के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद जर्मनी को भी पछाड़ सकता है।”

भारत का यह सकारात्मक आकलन, अगस्त में वाशिंगटन द्वारा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नव वर्ष 2026 के आगमन पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स मंच पर शुभकामना संदेश पोस्ट किया, “सभी को 2026 की

- प्र.मंत्री ने एक्स पर लिखे अपने संदेश में राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

हार्दिक शुभकामनाएं। यह वर्ष सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए, आपके प्रयासों में सफलता मिले और आप जो भी करें, उसमें संतोष प्राप्त हो। मैं समाज में शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूँ।”अपने नववर्ष संदेश में मोदी ने राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि देश आने वाले वर्ष में चुनौतियों पर काबू पाएगा और नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय आया है जब भारत अपनी आर्थिक विकास की गति को आगे बढ़ाने और वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है। मोदी ने नागरिकों से एक समृद्ध और सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

विचार बिन्दु

सहकामी दीपक दसा, सोखे तेल निवास
कबीरा हीरा संतजन, सहजे सदा प्रकास –कबीर

राजस्थान के मुख्यमंत्री की गंभीरता और चिंता को दर्शाता है अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान

राजस्थान के 20 जिलों में अरावली पर्वतमाला की पारिस्थितिकी, जैव विविधता, जल पुनर्भरण और रेगिस्तानीकरण के विस्तार को रोकने में भूमिका को देखते हुए राजस्थान सरकार अरावली संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होने के साथ ही गंभीर है। राजस्थान के अलवर, खैरथल-तिजारा, झुझुनू, सीकर, जयपुर, तौसा, कोटपुतली-बहरोड, अजमेर, भीलवाड़ा, ब्यावर, टोंक, कुचामन-डीववाना, पाली, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर, सर्लुबर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिले अरावली पर्वतमाला श्रृंखला के दायरे में आते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अरावली को लेकर गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि उन्होंने ना केवल अरावली पर्वतमाला क्षेत्र अपितु प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश देते रहे हैं और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त होने लगे हैं। अरावली को लेकर पर्यावरणविदों, गैर सरकारी संगठनों और इंफ्लुएंशरों की चिंता से पहले ही मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा गंभीर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अरावली प्रभावित क्षेत्रों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश के तत्कालबाद खान विभाग ने बिना किसी देरी किये अरावली प्रभावित जिलों में संयुक्त अभियान चलाने की कुछ घंटों में ही तैयारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए माईस विभाग ही नहीं अपितु समूचे प्रशासन को सक्रिय कर दिया। सोमवार 29 दिसंबर से अभियान आरंभ हो गया है और प्रमुख सचिव माईस टी. रविकान्त ने स्पष्ट व सेल्फ स्पीकिंग दिशा-निर्देश जारी करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे संवाद कायम कर सरकार की मंशा से ठोस कार्रवाई का संदेश दे दिया है। प्रमुख सचिव माईस श्री टी. रविकान्त अभियान की क्लोज मोनेटरिंग कर रहे हैं और उसी का परिणाम है कि शुरुआती तीन दिनों में ही उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त होने लगे हैं।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने अरावली पर नवंबर माह में पारित आदेश को केप्ट इन एवेयेंस रख दिया है। नवंबर माह के अरावली पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के 10 से 15 दिन बाद जिस तरह से अरावली बचाओ-जीवन बचाओ आंदोलन ने जनआंदोलन का रुप लिया ठीक उसी तरह से केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अरावली के संरक्षण को लेकर सरकार की मंशा और ईच्छा शक्ति को यह कहकर स्पष्ट कर दिया कि अरावली पर्वतमाला से किसी तरह की छेड़छाड़ की अनुमति नहीं दी जाएगी। अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन पट्टे नहीं जारी किये जाएंगे वहीं अरावली संरक्षित क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा। इससे यह तो स्पष्ट हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर केन्द्र व राज्य सरकार दोनों ही अति गंभीर हैं। गुजरात, दिल्ली,

हरियाणा और राजस्थान तक फैली अरावली पर्वतमाला का सर्वाधिक क्षेत्र राजस्थान में आता है। राजस्थान के 20 जिले अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में आते हैं इनके साथ ही गुजरात के बांसकाटा, सांवरकांटा, अरावली और माहीसागर का कुछ हिस्सा, हरियाणा का गुरुग्राम, भीवाणी, नूह, चरकी दादरी, महेन्द्र गढ़ फरिदाबाद और रेवाड़ी, दिल्ली के नई दिल्ली से दक्षिण पूर्व, दक्षिण, पश्चिमी और सेन्ट्रल दिल्ली तक अरावली पर्वतमाला का विस्तार है। इसमें कोई दो राय नहीं कि राजस्थान में ही अरावली पर्वतमाला का अधिकांश क्षेत्र आता है तो दूसरी ओर अरावली बचाओ अभियान देश में आज ज्वलंत मुद्दा और आंदोलन बन गया है। इसमें भी कोई दो राय नहीं अरावली राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण रही है और इसके संरक्षण के लिए आज नहीं अपितु राजस्थान सालों से प्रयासरत रहा है। अरावली थार के रेगिस्तान को विस्तारित होने से रोकने की दीवार रही है। अरावली में जैव विविधता के साथ ही जल संरक्षण में भी प्रमुख भूमिका रही है।

अरावली प्राचीनतम पर्वतमाला होने के साथ ही थार के रेगिस्तान को फैलने से रोकने की एक तरह से प्राकृतिक दीवार है। थार के रेगिस्तान का विस्तार रोकने में अरावली की प्रमुख भूमिका रही है। यह भी सही है कि अरावली की कोख में खनिज संपदा का भण्डार भरा पड़ा है। यहां तक कि आज के दुर्लभतम और अत्यधिक महत्वपूर्ण खनिज रेयर अर्थ एलिमेंट, क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरलों के विशाल डिपोजिट्स अरावली पर्वतमाला की कोख में समाये हुए हैं। अरावली को लेकर सबसे बड़ा संकट अवैध खनन को लेकर भी है। अवैध खनन में प्रभावशाली व स्थानीय लोगों की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी से इंकार नहीं किया जा सकता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का अरावली प्रभावित क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सघन अभियान चलाने का निर्णय इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान की सरकार अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर है। अभियान के दौरान पांच विभागों को संयुक्त रूप से जोड़ना इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि अरावली क्षेत्र में वन क्षेत्र भी है तो राजस्व विभाग से संबंधित क्षेत्र भी है। अवैध खनन परिवहन और ओवरलोडिंग आदि की समस्या को देखते हुए परिवहन विभाग को जोड़ा गया है तो कानून व्यवस्था की स्थितियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन को जोड़ा गया है। जिला कलक्टर के मार्गदर्शन में अभियान का संचालन इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि जिला कलक्टर सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय व स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अभियान को गति देने व सफल बनाने में कारगर भूमिका निभा सकते हैं। शुरुआती दो दिनों में ही बड़ी कार्रवाइयां करते हुए अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 12 एक्सक्वेटर व 137 वाहनों की जब्ती कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द कर दिया गया है। 14 एफआईआर, एक गिरफ्तारी और 7 हजार टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया जा चुका है। करीब करीब 30 लाख का जुर्माना वसूल कर राजकोष में जमा किया गया है।अभियान के दौरान दिन प्रतिदिन तेजी दिखाई दे रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अरावली के प्रति चिंता की सरहना तो की ही जानी चाहिए और उन्होंने त्वरित निर्णय कर राज्य सरकार की इच्छाशक्ति को भी स्पष्ट कर दिया है। अब अरावली बचाओ अभियान चलाने वाले संगठनों और चिंता व्यक्त करने वालों का भी दायित्व हो जाता है कि वे सरकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर अवैध खनन गतिविधियों को नेस्तनाबूद करने के राज्य सरकार के संकल्प को पूरा करने में सहभागी बने। आंदोलन आंदोलन के लिए ना होकर अवैध खनन के रोग को मिटाने में भागीदारी बने तो निश्चित रुप से अरावली के प्रति जो देशव्यापी चिंता व्यक्त की जा रही है और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार गंभीर होकर अभियान चला रही है उसके सहभागिता से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अरावली बचाओं अभियान के भागीदारों को अरावली में अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई में भागीदार बनने से ही आंदोलन की उपादेयता सिद्ध हो पायेगी।

—अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)



रामनिवास बैरवा

राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ताजपोशी के दो वर्ष पूरे होने के जश्न मनाया जा रहा है। इसके अवसर पर व्यक्तियों की ताजपोशी के 100 दिन, एक साल, ग्यारह साल के जश्न मनाये

छह इंच की स्क्रीन और भविष्य की सुरक्षा: डिज़िटल युग की नई चुनौती



अशोक कुमार

आज के डिजिटल युग में पेरेंटिंग या परवरिश की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। पहले माता-पिता की चिंता यह होती थी कि बच्चा बाहर धूप में न खेले या गलत संगत में न पड़े, लेकिन आज सबसे बड़ी चुनौती बच्चे के हाथ में मौजूद वह 6 इंच की स्क्रीन है, जो पूरी दुनिया को समेटे हुए है। डिजिटल पेरेंटिंग का अर्थ केवल बच्चों को तकनीक से दूर रखना नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीक का सही, सुरक्षित और संतुलित उपयोग सिखाना है। यहाँ डिजिटल पेरेंटिंग के विभिन्न पहलुओं, चुनौतियों और समाधानों पर एक विस्तृत चर्चा दी गई है:

1. डिजिटल पेरेंटिंग की आवश्यकता क्यों?

भारत जैसे देश में, जहाँ इंटरनेट डेटा सबसे सस्ता है, वहाँ बच्चों की

पहुँच हर तरह के कंटेंट तक बहुत आसान हो गई है। जैसा कि हमने चर्चा की, अब शिक्षा में भी एनीमेशन और अनौपचारिक भाषा का प्रवेश हो रहा है। ऐसे में माता-पिता की भूमिका एक फिल्टर की तरह हो जाती है।

कंटेंट का सैलाब: इंटरनेट पर ज्ञान के साथ-साथ कचरा भी मौजूद है। बिना मार्गदर्शन के बच्चा यह तय नहीं कर पाता कि उसके लिए क्या सही है।

सुरक्षा का सवाल: साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ठगी और अनुपयुक्त कंटेंट (जैसे हिंसा या अश्लीलता) से बच्चों को बचाना डिजिटल पेरेंटिंग का प्राथमिक लक्ष्य है।

2. मुख्य चुनौतियाँ: जहाँ माता-पिता चूक जाते हैं

अ. डिजिटल बेबीसिटर की प्रवृत्ति: आजकल माता-पिता खुद को व्यस्त रखने या बच्चे को शांत करने के लिए उसे मोबाइल थमा देते हैं। खाना खिलाते समय या सफर के दौरान मोबाइल देना एक लत की शुरुआत है।

ब. ज्ञान का अभाव: कई बार बच्चे तकनीक के मामले में अपने माता-पिता से कहीं आगे होते हैं। माता-पिता को पता ही नहीं होता कि पेरेंटल कंट्रोल क्या है या बच्चा पढ़ें के पीछे क्या देख रहा है।

स. भाषा और व्यवहार पर प्रभाव: एड्युजिव लैंग्वेज वाले बच्चा ऐसे वीडियो देखता है जिसमें शिक्षक या पात्र अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, तो वह उसे ही कूल और सामान्य मान लेता है। डिजिटल दुनिया में भाषाई मर्यादा बहुत तेजी से गिर रही है।

3. डिजिटल पेरेंटिंग के नकारात्मक प्रभाव (यदि ध्यान न दिया जाए)

शारीरिक स्वास्थ्य: आँखों की कमजोरी, मोटापा और नींद की कमी। मानसिक स्वास्थ्य: एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन और अकेलापना। सामाजिक कौशल का ह्रास: बच्चा स्क्रीन के साथ तो घंटों बिता सकता है, लेकिन वास्तविक जीवन में लोगों से बात करने में उसे झिझक होने लगती है।

4. एक प्रभावी डिजिटल पेरेंट कैसे बनें? (समाधान और रणनीतियाँ)

डिजिटल पेरेंटिंग का मतलब तानाशाही नहीं, बल्कि सहयोग है। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

क. उम्र के अनुसार नियम तय करें

0-2 वर्ष: अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार, इस उम्र में स्क्रीन से पूरी तरह बचना चाहिए।

2-5 वर्ष: दिन में अधिकतम 1 घंटा, वह भी माता-पिता की

निगरानी में।

6 वर्ष से ऊपर: पढ़ाई और मनोरंजन के बीच एक स्पष्ट संतुलन। ख. डिजिटल डिटॉक्स और नो-फोन ज़ोन घर में कुछ नियम बनाएँ, जैसे: खाना खाते समय कोई मोबाइल नहीं। सोने से 1 घंटा पहले सभी गैजेट्स बंद। रविवार का कुछ समय नो-गैजेट डे के रूप में मनाया। ग. कंटेंट की गुणवत्ता की जाँच अगर बच्चा एनिमेटेड वीडियो से पढ़ रहा है, तो पहले आप उसे देखें। क्या उसमें इस्तेमाल की गई भाषा आपके परिवार के संस्कारों के अनुरूप है? जैसा कि हमने चर्चा की, शिक्षा में मनोरंजन अच्छी बात है, लेकिन अभद्रता नहीं। घ. तकनीक का उपयोग सीखने के लिए करें, खोने के लिए नहीं बच्चे को सिखाएँ कि इंटरनेट केवल वीडियो देखने के लिए नहीं है। उसे कोडिंग, डिजिटल पेंटिंग, नई भाषाएँ सीखने या जानकारी खोजने के लिए प्रोत्साहित करें। ङ. खुद एक उदाहरण बनें डिजिटल पेरेंटिंग की सबसे बड़ी चुनौती खुद माता-पिता है। यदि आप खुद बच्चे के सामने हर समय फोन पर लगे रहेंगे, तो बच्चा आपकी बात कभी नहीं मानेगा। बच्चे वही करते हैं जो वे देखते हैं, वह नहीं जो उन्हें कहा जाता है।

5. किताबी ज्ञान और डिजिटल शिक्षा का संतुलन बच्चे किताबों से दूर हो रहे हैं। डिजिटल पेरेंटिंग का एक बड़ा हिस्सा यह सुनिश्चित करना है कि बच्चा कानाज और स्वाही की दुनिया से जुड़ा रहे। बच्चों को लाइब्रेरी ले जाएँ उनके साथ बैठकर कहानियाँ पढ़ें। उन्हें समझाएँ कि वीडियो केवल एक झलक है, जबकि असली गहराई किताबों में ही मिलती है।

6. निष्कर्ष-- डिजिटल पेरेंटिंग कोई एक दिन का काम नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर प्रक्रिया है। हमें बच्चों को तकनीक से डराना नहीं है, बल्कि उन्हें इतना समझदार बनाना है कि वे खुद सही और गलत के बीच फर्क कर सकें। भारत में आ रहे एनीमेशन आधारित शिक्षा के नए दौर में, माता-पिता को और भी सतर्क रहना होगा। शिक्षा में आधुनिकता का स्वागत है, लेकिन वह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, भाषा की शुचिता और किताबों की महत्ता की बलि देकर नहीं आनी चाहिए।

बच्चे को मोबाइल देना आसान है, लेकिन उसे संस्कार देना कठिन। डिजिटल युग में असली पेरेंटिंग वही है जो कठिन रास्ते को चुने।

—अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

पाटन : कोला की नांगल विद्यालय को अन्य विद्यालय में मर्ज करने का विरोध

शिक्षा निदेशालय के जारी आदेश में कोला की नांगल विद्यालय भवन को जर्जर बताते हुए इसे रैया का बास विद्यालय में मर्ज करने का निर्देश दिया गया था

पाटन, (निसं)। इलाके के कोला की नांगल स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को रैया का बास के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में मर्ज किए जाने के आदेश के विरोध में गुरुवार को ग्रामीणों का आक्रोश देखने को मिला। दर्जनों ग्रामीणों ने मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) को ज्ञापन सौंपते हुए विद्यालय को यथावत कोला की नांगल में ही संचालित रखने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि कोला की नांगल के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में वर्तमान में 152 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। शिक्षा निदेशालय द्वारा 29 दिसंबर को जारी आदेश में विद्यालय भवन को जर्जर बताते हुए इसे रैया का बास विद्यालय में मर्ज करने का निर्देश दिया गया था। जैसे ही ग्रामीणों को इस आदेश की जानकारी मिली, उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि विद्यालय भवन जर्जर नहीं है। विद्यालय में पहले से ही 7 कमरे सुरक्षित स्थिति में हैं तथा हाल ही में जन सहयोग से 3 अतिरिक्त कमरों की



ग्रामीणों ने मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) को ज्ञापन सौंपा।

मरम्मत करवाई गई है। ऐसे में विद्यालय को मर्ज करने का कोई औचित्य नहीं है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कोला की नांगल से रैया का बास की दूरी लगभग 3 किलोमीटर है,

जिसका रास्ता जंगल और सुनसान क्षेत्र से होकर गुजरता है। छोटे बच्चों के लिए इस मार्ग से रोजाना आना-जाना बेहद असुरक्षित है और किसी भी प्रकार की अनहोनी की आशंका बनी रहती

है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि विद्यालय को कोला की नांगल में यथावत नहीं रखा गया तो वे अपने बच्चों को रैया का बास विद्यालय नहीं भेजेंगे। साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर

■ ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में पहले से ही 7 कमरे सुरक्षित स्थिति में हैं तथा हाल ही में जन सहयोग से 3 अतिरिक्त कमरों की मरम्मत कराई गई है

■ कोला की नांगल से रैया का बास की दूरी लगभग 3 किमी है, जिसका रास्ता जंगल और सुनसान क्षेत्र से होकर गुजरता है

आंदोलन की भी चेतावनी दी। इस दौरान सीबीईओ भंवर सिंह एवं एससीबीईओ महेश मोघा ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने तथा विद्यालय को यथावत रखने का प्रयास करने का आश्वासन दिया।



पंडित अनिल शर्मा

आज रविवोग रात्रि 8:04 तक है। राजयोग सायं 6:54 से रात्रि 8:04 तक है। भद्रा सायं 6:54 से आरम्भ होगी। श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:38 तक, लाभ-अमृत 8:38 से 11:13 तक, शुभ 12:31 से 1:48 तक, चर 4:23 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:41

राशिफल

शुक्रवार 2 जनवरी, 2026

पौष मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2082, युगशिरा नक्षत्र सायं 8:04 तक, शुक्ल योग दिन 1:07 तक, गर करण प्रातः 8:38 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:26 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृष, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।



मेघ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजन के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



तुला

नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।



वृष

आर्थिक कार्यों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।



वृश्चिक

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।



मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।



धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।



कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।



मकर

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। मन में बना हुआ भय समाप्त होगा।



सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित ख़ोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।



कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।



कन्या

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मीन

घर-परिवार में सुख-शान्ति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

ई-कॉमर्स के नाम पर साइबर ठगी करने वाले छत्तीसगढ़ और जयपुर के बदमाश गिरफ्तार

लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। साइबर पुलिस जयपुर ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए की जा रही संगठित साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का खुलासा करते हुए शांतिर साइबर टग गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अमोल चौपड़ा निवासी छत्तीसगढ़ और सक्षम खंडेलवाल निवासी प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। जबकि गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी, आम लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे। इसके बाद पीड़ितों के क्रेडिट और डेबिट कार्ड विवरण का दुरुपयोग कर फिलपकार्ट, अमेजन, स्विगी, ज़ेप्नो और ब्लिंकिंग जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से महंगे मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान ऑर्डर करते थे। पूरे मामले का

■ पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लैन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकॉर्सी का उपयोग करते थे

खुलासा मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर हुआ। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लैन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकॉर्सी का इस्तेमाल करते थे। इसके जरिए वे साइबर ठगी से प्राप्त रकम को ट्रेस होने से बचाते थे।

नेपाल के रास्ते विदेश भेजते थे मोबाइल

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी और ई-कॉमर्स अपराधों की रोकथाम के लिए एसीबी (क्राइम) मनीष अग्रवाल के निर्देशन में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने आरोपियों की पहचान कर उनके नेटवर्क को तोड़ने में सफलता हासिल की है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी थर्ड पार्टी एप्लिकेशन, डिजिटल पहचान चोरी और फिलपकार्ट मिनट जैसी फास्ट डिलीवरी सेवाओं का उपयोग कर कम समय में सामान मंगाने थे। साइबर ठगी से खरीदे गए नए मोबाइल फोन को नेपाल के रास्ते दूसरे देशों में भेजा जाता

था। जिसके पुख्ता साक्ष्य पुलिस को मिले हैं।

एक आरोपी जेल, दूसरा पुलिस रिमांड पर

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभीजीत सिंह ने बताया मामले में साइबर पुलिस थाना जयपुर में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी अमोल चौपड़ा को न्यायिक अभिरक्षा (जेसी) में भेज दिया गया है, जबकि कोर्ट ने दूसरे आरोपी सक्षम खण्डेलवाल को दो दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश के साथ-साथ डिजिटल, वित्तीय और अंतरराष्ट्रीय लिंक की गहन जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में इसे अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह माना जा रहा है।

पिछली कांग्रेस सरकार में हुए पेपरलीक और आरपीएससी भ्रष्टाचार पर सरकार ने अपनाया सख्त रुख

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस प्रकरण में नए तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए

एसओजी से जांच करवाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार शाम मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, डीजीपी राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

■ युवाओं के भविष्य के साथ छेड़छाड़ करने वालों को नहीं बख्शा जाएगा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एसओजी एवं एसीबी के अधिकारियों को नए तथ्यों के परिपेक्ष्य में तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यकतानुसार एसओजी के साथ एसीबी को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गईं, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है।

उन्होंने युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गईं, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है।

हैड कांस्टेबल 10 हजार रुपए की रिश्तत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) सीकर टीम ने कार्रवाई करते पुलिस थाना सदर नीमकाथाना जिला सीकर के पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार को परिव्रादी से दस हजार रुपये की रिश्तत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी सीकर टीम को परिव्रादी ने शिकायत दी कि उसके भाईयों के विरुद्ध दर्ज मामले में आरोपित नहीं बनाने की एवज में पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार दस हजार रुपये बतौर रिश्तत पूर्व में प्राप्त कर शेष दस हजार रुपये की रिश्तत की मांग कर रहा है।

जिस पर एसीबी सीकर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई ने शिकायत दी कि उसके पिताजी व उसके भाइयों के नाम जिला उद्योग केन्द्र सवाई माधोपुर से डॉ भीमराव अम्बेडकर दलित प्रोत्साहन स्कीम के तहत तीनों दुकानों की

उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक 25 हजार रु. रिश्तत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की सवाई माधोपुर टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए जिला उद्योग केन्द्र सवाई माधोपुर के वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को परिव्रादी से 25 हजार रुपये की रिश्तत लेते गिरफ्तार किया गया है।



सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में जिला उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक सूर्यप्रकाश नामा तीस हजार रुपये की रिश्तत मांग रहा है। जिस पर एसीबी

की टीम ने रिश्तत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया तो रिश्तत मांग सत्यापन में वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा ने परिव्रादी से सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में तीस हजार रुपये रिश्तत राशि की मांग कर 25 हजार रुपये लेने पर सहमत हुआ। जिस पर एसीबी सवाई माधोपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को 25 हजार रुपये की रिश्तत लेते गिरफ्तार किया गया है।

स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के आधार : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जिला आधारित स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के मूल आधार है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने प्रत्येक जिले में स्थानीय विशिष्टता एवं विरासत के संरक्षण व संवर्धन के लिए पंच गौरव कार्यक्रम की अभिनव पहल की है। शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि पंच गौरव कार्यक्रम में प्रत्येक जिले के चिन्हित तत्वों का प्राथमिकता के अनुसार दीर्घकालीन कार्य योजना तैयार कर विकास एवं संरक्षण के कार्य किए जाएं तथा संबंधित नोडल विभाग इसकी नियमित समीक्षा भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को भी पंच गौरव कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की जावे, जिससे उन्हें भी जिले की विशिष्ट पहचान की जानकारी मिल सके। साथ ही, उन्होंने इस

- पंच गौरव कार्यक्रम में जन सहभागिता एवं जागरूकता बढ़ाएं : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले पर पर्यटन सुविधाएं बेहतर बनाएं, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ें।”

कार्यक्रम की गतिविधियों में अधिकाधिक जन सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन का इससे सीधा जुड़ाव हो सके। शर्मा ने कहा कि सभी जिलों के चयनित कृषि उत्पादों की नवाचारों के साथ ब्रांडिंग की जाए, ताकि इन उत्पादों को नई

पहचान मिल सके। उन्होंने वन विभाग को स्थानीय विशेषता के आधार पर पौधे तैयार करने एवं वृक्ष मित्र बनाने जाने के निर्देश दिए। उन्होंने खेल विभाग को प्रत्येक जिले में स्थानीय युवाओं को खेलों से जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जिला एक पर्यटन स्थल के अर्न्तगत पर्यटन स्थलों पर सड़क व पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो सकें। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र से जुड़े गाइड एवं विभिन्न हितधारकों के समतावर्द्धन के लिए भी नीति निर्धारण के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि पंच गौरव के अन्तर्गत प्रत्येक जिले में एक उत्पाद, एक उपज, एक खेल, एक वनस्पति और एक पर्यटन स्थल को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा : मदन राठौड़

कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा, जबकि कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया।

उन्होंने प्रदेशवासियों को अंग्रेजी कैलेंडर के प्रथम दिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2025 में भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने अल्प समय में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। चाहे जल प्रबंधन का क्षेत्र हो, बिजली आपूर्ति, रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना का सुदृढीकरण हो या किसानों को सशक्त बनाने की योजनाएं- सरकार ने प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक क्षेत्र के हित में ठोस निर्णय लिए हैं। सोलर ऊर्जा के माध्यम से किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाणी, जिससे कृषि के साथ-साथ औद्योगिक विकास को भी गति



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत की।

मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज विपक्षी दलों में आपसी कलह, फूट और सिर फुटव्वल साफ दिखाने दे रही है। इसी कारण जनता का विश्वास भाजपा पर लगातार बढ़ रहा है और लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। राजस्थान रिफाइनरी के विषय में राठौड़ ने कहा कि इसकी प्रक्रिया वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में प्रारंभ हुई थी। कांग्रेस

सरकार ने सितंबर 2013 में रिफाइनरी को लेकर ऐसा एमओयू किया, जिसमें राज्य सरकार को 15 वर्षों तक बिना ब्याज के प्रतिवर्ष 3871 करोड़ रुपये देने थे तथा 15 वर्ष बाद 26 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलती, यह राज्य पर अत्यधिक आर्थिक बोझ डालने वाला समझौता था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में वसुंधरा राजे सरकार ने एचपीसीएल

के साथ नया एमओयू किया, जिसके तहत राज्य सरकार प्रतिवर्ष लगभग 1100 करोड़ रुपए देगी, उस पर ब्याज भी मिलेगा और राज्य की हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की गई। कांग्रेस की योजना में जहां 15 वर्षों में लगभग 56 हजार करोड़ रुपये का भार पड़ता, वहीं भाजपा सरकार ने इसे घटाकर 16,845 करोड़ रुपये कर दिया।

इससे राज्य को लगभग 39 हजार 328 करोड़ रुपये की बचत हुई। राठौड़ ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2023 में रिफाइनरी परियोजना की लागत बढ़ाकर 72,937 करोड़ रुपये कर दी, जिसके बाद संशोधित लागत 79 हजार 459 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि राजस्थान के हितों के साथ कोई समझौता न हो। भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखते हुए काम किया है, जबकि कांग्रेस ने बंदरबांट की राजनीति की। इस सच्चाई को जनता तक पहुंचाना आवश्यक है।

57 किलो चांदी लूट के मामले में डेढ़ साल से फरार बदमाश गिरफ्तार

माणक चौक क्षेत्र में मनीरामजी की कोठी रास्ता स्थित गजानंद ज्वैलरी शॉप में गार्डों को बंधक बनाकर जेवरात लूटने का मामला

जयपुर (कासं)। माणक चौक थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए ज्वैलरी शॉप से 57 किलो चांदी की लूट के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 किलो चांदी के गहने भी बरामद किए हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद तौहीद (34) निवासी निवाई, जिला टोंक के रूप में हुई है। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ करीब आधा दर्जन अपराधिक मामले दर्ज हैं। मामले में एक अन्य फरार आरोपी अशफाक की तलाश जारी है, जिस पर भी 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया है।

सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाकर की थी लूट

डी.सी.पी. ने बताया कि 19 नवंबर को पीड़ित विनोद अग्रवाल ने माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिव्रादी ने बताया कि मनीरामजी की कोठी का रास्ता स्थित सिद्धि विनायक कॉम्प्लेक्स में उनकी गजानंद ज्वैलरी के नाम से दुकान है।

रात के समय बदमाशों ने दुकान की सुरक्षा में तैनात तीन गार्डों से मारपीट कर उन्हें बंधक बना लिया और शॉप का लॉक तोड़कर 57 किलो चांदी के गहने लूटकर फरार हो गए। घटना के



आरोपी मोहम्मद तौहीद

बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूट में शामिल हितेश प्रजापत और अकरम को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से 38 किलो चांदी के गहने बरामद किए जा चुके हैं। पूछताछ में सामने आया कि वारदात में कुल चार बदमाश शामिल थे। इसके बाद फरार आरोपियों मोहम्मद तौहीद और अशफाक पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया।

■ पुलिस ने आरोपी मोहम्मद तौहीद को गिरफ्तार कर 10 किलो चांदी के गहने भी जब्त किए हैं

■ इस प्रकरण में पुलिस पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 38 किलो चांदी बरामद कर चुकी

आरोपी ने दिल्ली-गुड़गांव में काटी फरारी

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि आरोपी मोहम्मद तौहीद वारदात के बाद अपने परिचित के यहां छिपने चला गया था। उसे जानकारी मिली कि पुलिस उसके टोंक-निवाई स्थित मकान पर दबिश देने आई थी और घर की गहन तलाशी लेकर लौट गई थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने लूट का माल अपने ही घर में छिपा दिया। इसके बाद वह पुलिस से बचने के लिए दिल्ली-गुड़गांव चला गया, जहां कुछ समय घूमने के बाद मालपुरा और टोंक क्षेत्र में भी फरारी काटता रहा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर टोंक में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

गोल्ड लोन चुकाने के नाम से 15 लाख रु. की धोखाधड़ी

जयपुर (कासं)। चित्रकूट थाना इलाके में एक युवक को परिचित के नाम से गोल्ड लेना भारी पड़ गया। पीड़ित ने आरोपी परिचित के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से पैसे डाले और शांतिर परिचित ने उन लाखों रुपयों को अपने दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए। यूपीआई और एटीएम के जरिए नकदी निकलने के बाद पीड़ित को खुद के साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास होने पर पुलिस ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित की

शिकायत पर आरोपी परिचित के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि जमवारागाढ़ निवासी हेमराज गुर्जर (34) ने मामला दर्ज कराया है कि कुछ समय पहले उसकी मुलाकात आरोपी प्रेम चंद्र से हुई थी। लगातार मुलाकात होने के बाद दोनों अच्छे दोस्त बन गए। पीड़ित का आरोप है कि गोल्ड लोन चुकाने के लिए उसने प्रेम चंद्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते में 14 लाख 65 हजार रुपए

आरटीजीएस के जरिए जमा करवाए। बैंक अकाउंट में रुपए ट्रांसफर होने के बाद चकमा देकर फरार हो गया। पीड़ित ने कई बार आरोपी के मोबाइल फोन पर कॉल किया। लेकिन लगातार मोबाइल फोन बंद मिला। दिए गए रुपयों में से आरोपी ने 5 लाख रुपए से इन्हें ली। लगातार मुलाकात होने के बाद दोनों और एटीएम के जरिए निकलने का पता चला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

‘सादगी, सेवा और समर्पण ही संकल्प साधक की ताकत’

राजसमंद, (निर्स)। राजसमंद झील संरक्षण अभियान के सूत्रधार समन्वयक एवं वरिष्ठ लोक सेवा शिक्षाविद् दिनेश श्रीमाली का बुधवार को प्रबुद्ध नागरिक विचार मंच के तत्वावधान में नागरिक अभिर्नंदन किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा, प्रमुख अतिथि पूर्व उप शासन सचिव विधि बसंती लाल बाबेल थे जबकि अध्यक्षता अणुव्रत महासमिति के पूर्व अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कर्णावट ने की। विशिष्ट अतिथि नगर परिषद के सभापति अशोक टांक, रेलमगरा के प्रधान आदित्य प्रताप सिंह, श्री श्रीमाली ब्रास्मण समाज मेवाड़ अध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली, पूर्व प्रधान शांति लाल कोठारी थे। समारोह में

■ लोकसेवी दिनेश श्रीमाली का नागरिक अभिर्नंदन

विचार व्यक्त करते हुए डॉ. महेंद्र कर्णावट ने कहा कि दिनेश श्रीमाली सर्वोदय, समाजवाद और पर्यावरण को पुष्ट करने वाले विनम्र सामाजिक कार्यकर्ता हैं जिन्होंने अपने जीवन के 35 वर्ष राजसमंद झील और गोमती नदी संरक्षण, संवर्धन को समर्पित किए। डॉ. बसंती लाल बाबेल ने कहा कि श्रीमाली की पहचान पर्यावरण जगत में अनथक जल यौद्धा के रूप में स्थापित हुई है। सादगी, सेवा और समर्पण के संस्कार इनमें मजबूत हैं जिसके चलते ये संकल्प साधक के रूप उभर कर जल, जंगल

जमीन बचाओ अभियान के आदर्श प्रेरक बने हैं। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा ने कहा कि दिनेश शब्दों के जादूगर हैं एक चिंतक विचारक के रूप में सामाजिक सरोकार के हर विषय पर इनकी मजबूत पकड़ है। राजसमंद जिला प्रशासन के हर कार्यक्रम के ये मजबूत स्तंभ रहे हैं। सभापति अशोक टांक ने कहा कि जिले और नगर विकास में इनकी सकारात्मक सोच ने हमारा मार्गदर्शन किया है। श्रीमाली समाज मेवाड़ अध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली ने कहा दिनेश श्रीमाली प्रगतिशील विचारों के संवाहक और श्रेष्ठ संस्कार परंपरा के पोषक रहे हैं। प्रबुद्ध नागरिक विचार मंच समन्वयक राजकुमार दक ने सभी का स्वागत करते हुए दिनेश श्रीमाली के

अकादमिक, सामाजिक, राजसमंद झील संरक्षण के अवदान का विस्तार से रेखांकित किया। समारोह में साहित्यकार श्रीमती कुसुम अग्रवाल, सूर्य प्रकाश दीक्षित, डॉ. मनोहर श्रीमाली, लोक अधिकार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष संपत लड्ढा, नारायणसिंह राव ने दिनेश श्रीमाली के सामाजिक सरोकार और साहित्यिक अवदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ओमशंकर श्रीमाली, मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश श्रीमाली, पत्रकार संघ के सुरेश भाट, शिक्षक नेता गिरजाशंकर पालीवाल, राधेश्याम शर्मा, विनल श्रीमाली ने वरिष्ठ चिंतक दिनेश श्रीमाली के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

गौवंश की हत्या के मामले में 5 गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निर्स)। सज्जनगढ़ थाना पुलिस ने पण्डवाल लुंजा में गौवंश की हत्या के मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी धनपत सिंह ने बताया कि गत रात्रि मुखबीर से सूचना मिली कि पण्डवाल लुंजा में आंगनवाड़ी केन्द्र के पोछे खेतों में कुछ लोग गाय की हत्या कर काटिंग कर रहे हैं। जिस पर पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी व अति. पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह भाटी के सुपरविजन तथा पुलिस उप अधीक्षक महीपाल सिंह वृत्त कुशलगाढ के निकट पर्यवेक्षण में सज्जनगढ थाने से दो टीमें थानाधिकारी धनपत सिंह मय जाते तथा सहायक उपनिरीक्षक जगदीश प्रसाद मय जाते के साथ मुखबीर के बताये स्थान पर पहुँची जहां पर पांच व्यक्ति एक मृत गौवंश के पास बैठे मिले। ये लोग गौवंश की हत्या कर उसके मांस के टुकड़ों को काट रहे थे।

नकली होलोग्राम की शराब सीज, 4 गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत कार्रवाई जारी है। जयपुर में एक रेस्टोरेंट बार से नकली होलोग्राम लेबल की हरियाणा की शराब सीज कर 4 को गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम में उदयपुर में शहर में एक रूफटॉप कैफे में नववर्ष की पार्टी में अवैध शराब पर कार्रवाई कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

आबकारी आयुक्त नकाते के

निर्देशानुसार अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रभासन ओपी जैन एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगवात के सुपरविजन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जोरो

टोलरेंस की नीति अपनाते हुए कार्रवाई जारी है। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार जयपुर बुधवार रात्रि अहिंसा सर्कल स्थित फॉर्चून हाईस्टेज के रिट्रीट रेस्टोरेंट बार में आबकारी निरोधक दल की कार्रवाई में नकली होलोग्राम लेबल की हरियाणा निर्मित शराब की 10 पेटो और नकली होलोग्राम की शराब की बोतलें बरामद की गईं। मौके से 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। कार्रवाई में उपायुक्त ज्ञानप्रकाश मीणा, सहायक आबकारी अधिकारी शिवकुमार चौधरी एवं पीओ नरेन्द्र सिंह मय जाब्ता शामिल रहे।

उदयपुर में जिला आबकारी अधिकारी आदराम दहिया एवं उपायुक्त ईपीएफ प्रभुम्न सिंह चुण्डावत के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक गोगुन्दा शंभू सिंह

राठौड ने आबकारी विजिलेंस टीम सहित पिछोला झील के किनारे गणगौर घाट पर संचालित शालोम बैकपकर्स कैफे के रूफटॉप पर कमरे में दबिश की कार्रवाई में 9 कार्टन बीयर व शराब बरामद की। मौके से अभियुक्त आकाश चौधरी को गिरफ्तार किया गया। आबकारी निरीक्षक शंभू सिंह ने बताया कि बुधवार रात्रि शालोम बैकपेकर्स कैफे के रूफटॉप पर आबकारी विभाग से बिना लाईसेंस लिए न्यू ईयर पार्टी संबंधी सूचना मिली थी। इस पर दबिश की कार्रवाई की गई और 9 कार्टन अवैध बीयर व शराब बरामद करते हुए मौके से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में होमगाई जमनाशंकर, लोकेश गवारिया का सहयोग रहा। आबकारी अधिकारी आदराम दहिया ने बताया कि प्रदेश में निरोधात्मक अभियान के तहत कार्रवाई जारी है।

C M Y K

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर में बदलों के छाप रहने से तापमान में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि हवाओं का जोर तेज सर्दी का अहसास करा रहा है। दिन के तापमान में गिरावट हो रही है लेकिन रात के तापमान में एक बार फिर बढ़ोतरी होने के साथ ही यह डबल डिजिट में

चला गया है।

उदयपुर शहर में नए साल की शुरुआत में सुबह आसमान बादलों से ढंका रहा। हालांकि दोपहर बाद हल्की धूप खिली लेकिन हवाओं का जोर भी मौसम में बना रहा। बादलों के छाप रहने से दिन के तापमान में लगातार कमी हो रही है।

बुधवार की अपेक्षा गुरुवार को भी एक डिग्री की कमी हुई है। बुधवार को अधिकतम 24.7 डिग्री था जो गुरुवार को 23.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया वहीं रात के तापमान में सवा तीन डिग्री की वृद्धि हुई है। तापमान 10.8 डिग्री से बढ़कर 14 डिग्री पर पहुँच गया है।

जुआ खेलते 8 गिरफ्तार, नकदी व मोबाइल जब्त

बांसवाड़ा, (निर्स)। जुआ खेलने के लिये क्या-क्या कवायदे नहीं होती हैं आदमी अपना राज्य छोड़कर अन्य राज्य में भी जाने में नहीं हिचकिचाता। ऐसा ही मामला दानपुर थाने में सामने आया है जहां मध्यप्रदेश से भागवत

कथा सुनने के बहाने आये लोग जुआ खेलते हुए पकड़े गये।

दानपुर थानाधिकारी लक्ष्मीचंद ने बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर थाने एवं जिला स्पेशल टीम की संयुक्त कार्यवाही में जुआ खेलते हुए आठ

आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 24 हजार 620 रुपये व पांच मोबाईल जब्त किये गये। थानाधिकारी ने बताया कि यह कार्यवाही जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, एएसपी नरपत सिंह भाटी के सुपरविजन व

पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के निकट पर्यवेक्षण में की गयी। 31 दिसम्बर को दानपुर कस्बे में कुछ व्यक्तियों द्वारा जुआ खेलने की जानकारी मिली जिस पर डीएसटी टीम प्रभारी विवेकभान सिंह व उनकी टीम

तथा दानपुर थाने के सहायक उपनिरीक्षक रवि कुमार थापा मय जाते ने सच अभियान चलाया। इस दौरान रतलाम रोड पर नाले के पास सुनसान जगह पर कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर जुआ खेलते हुए पाये गये।

‘स्माइल उदयपुर’ अभियान का शुभारंभ

उदयपुर, (कासं)। पर्यटन नगरी उदयपुर को बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम से मुक्त करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, बाल अधिकारिता विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'स्माइल उदयपुर' अभियान का शुभारंभ जिला कलेक्टर नमित भैरता के निर्देशन में गुरुवार से प्रारंभ हुआ यह अभियान राज्य में अपनी तरह का पहला नवाचारपूर्ण और सख्त अभियान माना जा रहा है। अभियान की शुरुआत कलक्ट्रेट परिसर में भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम के विरुद्ध शपथ एवं हस्ताक्षर अभियान से की गई। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) जितेन्द्र ओझा की उपस्थिति में बाल श्रम एवं बाल भिक्षावृत्ति रेस्क्यू

वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य धु व कुमार कवि्या, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष यशोदा पणिप्या, श्रम आयुक्त संकेत मोदी, पुलिस उपाधीक्षक छगन पुरोहित, मानव तस्करी निरोधक इकाई प्रभारी दीपिका राठौड़, यूनिसेफ प्रभारी सिंधु बिनुजीत सहित अन्य अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक के.के. चन्द्रवंशी ने बताया कि स्माइल उदयपुर अभियान तीन चरणों में चरालित किया जाएगा।प्रथम चरण 1 से 31 जनवरी तक रहेगा।

फर्जी मालिक बनकर जमीन बेचने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के भुपालपुरा थाना पुलिस ने फर्जी मालिक बनकर जमीन बेचने के मामले में एक फर्जी मालिक को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार मनीष जैन ने मांगीलाल गायरी पुत्र मगना गायरी निवासी भुवाणा, पु्कर पुत्र मांगीलाल गायरी निवासी भुवाणा, धमेन्द्र पुत्र भगवतीलाल निवासी वल्लभनगर कच्छेर, सोहन सिंह निवासी कुराबड़ के खिलाफ रिपोर्ट पेश की। जिसमें पीडित ने बताया कि ढीकली गांव में स्थित मांगीलाल की जमीन होकर उक्त जमीन बेचने का सौदा कर रूपये प्राप्त करने के बाद नियत समय पर रजिस्ट्री नहीं कराने की रिपोर्ट दी थी। अनुसंधान में पता चला कि मनीष व उसके साथी धमेन्द्र सुथार ने मांगीलाल की जमीन की कीमत कम करने एवं उस पर सस्ते में खरीदने का दबाव डालने के लिए फर्जी विक्रयनामा निष्पादित किया गया।

इसकी पुष्टि होने पर मनिस व धमेन्द्र को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मामले में फर्जी मांगीलाल की तलाश की जा रही थी।

इस पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में भूपालपुरा थानाधिकारी आदर्श कुमार के नेतृत्व में एसआई दलपत सिंह मय टीम ने सोहनलाल सालवी पुत्र कालुलाल सालवी निवासी रोड़दा जगत कुराबड़ हाल नोहरा मगरी एकलिंगपुरा हिरणमगरी द्वारा फर्जी मांगीलाल बनकर विक्रयनामा तैयार किया गया।

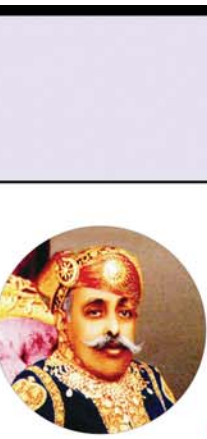
पूछताछ में सोहनलाल ने बताया कि धमेन्द्र मुझसे रूपये मांगता था। जिसने मुझे कोर्ट में बुला कर फर्जी विक्रय इकरार तैयार कर मेरे हस्ताक्षर करवाए बदले में रूपये माफ कर दिए।

शिक्षा से ही समाज का विकास संभव : अकरम मेवाती

राजसमंद, (निर्स)। कोटडी उपखंड क्षेत्र स्थित आस्तना हजरत रहमत अली शहंशाह पाल वाले बाबा दरगाह पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें तंजीमें मेवातीयान हलका मेवाड़ खेराड के नवनिर्वाचित सदर अकरम मेवाती मावली के मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि समाज में विभिन्न प्रकार की कुरीतियों फैली हुई है, प्रतिस्पर्धाओं के चलते परिवारों में खर्चे बढ़ रहे हैं एवं समाज में शिक्षा की कमी के कारण पिछड़ा हुआ है।

बालक-बालिकाओं को पढ़ाने के लिए हमें जागरूक करना होगा, क्योंकि शिक्षा से ही समाज का विकास संभव है। समाज में सभी लोगों को मिलकर सहयोग करने की भावना से ही समाज आगे बढ़ सकेगा। जीवन स्तर में सुधार आ पाएगा। साथ ही कहा कि समाज ने मुझे जो खिदमत का मौका दिया उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। तंजीमें मेवतियान मेवाड़ खेराड के नवनिर्वाचित खजांची सिकंदर मेवाती मावली ने कहा कि समाज के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, साथ ही आगामी कार्य योजना पर प्रकाश डाला। तंजीम कै नवनिर्वाचित सेक्रेट्री जाकिर हुसैन मेवाती कोटडी ने कहा कि समाज के

विकास में सभी को एकजुट होकर कार्य करना है। अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष हमीद रंगरेज, मॉडलगाढ़ के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जफ र टांक, अल्पसंख्यक ग्रामीण जिला अध्यक्ष शहाबुद्दीन, अल्पसंख्यक प्रदेश महासचिव मोहसिन मोहम्मद, पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जफ र मोहम्मद, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष निसार सिलावट, शहर सचिव शाहिद देशवाली, मीडिया अध्यक्ष मोहसिन मंसूरी, जिला महासचिव केयुम लोहार बीगोद, मदनी दूर एंड डेवल्स के आरिफ मीर रेमैन, अब्दुल सलाम लोहार समारोह से पूर्व दरगाह पर चादर अकीदत के फूल, कलाम पेश कर देश में अमन चैन और समाज के विकास के लिए दुआएं मांगी। इस अवसर पर हकीम मोहम्मद, मोइनुद्दीन मेवाती, मोहम्मद हुसैन, गफ्फ र। मोहम्मद मेवाती, अनवर हुसैन, दरगाह पूर्व सदर लियाकत बिसायती, पूर्व अंजुमन सदर मावली के आतीक मेवाती अब्दुल हमीद मेवाती, फिरोज मोहम्मद, इमरान मोहम्मद, सलीम मेवाती, सहाम मेवाती, शेर मोहम्मद, नावेद शब्बीर मोहम्मद, पूर्व अंजुमन सेक्रेटरी मावली के मोहम्मद रजा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



विद्या प्रचारिणी सभा

भूपाल नोबल्स संस्थान, उदयपुर

संस्था स्थापना दिवस 2 जनवरी, 2026 (प्रगति के 103 वर्ष)

संस्थान से जुड़े समस्त स्नेहिल हितैषियों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

आदरणीय श्री राजनाथ सिंह जी,

माननीय रक्षा मंत्री भारत सरकार, सादर वंदन.... अभिनन्दन....स्वागत!

भूपाल नोबल्स संस्थान परिचय

तत्कालीन महाराणा श्री फतह सिंहजी मेवाड़ के शासनकाल में तत्कालीन महाराजकुमार श्री भूपाल सिंह जी मेवाड़ द्वारा संस्थापित सर्वधर्म समभाव एवं सामाजिक समरसता के पुनोत्त सोद्देश्यों को दृष्टि में रखते हुए मेवाड़ में बालक-बालिकाओं के लिए उंचित शिक्षा व्यवस्था के अभाव का निराकरण करने हेतु इस शिक्षण संस्थान की स्थापना की गयी। संस्थान के प्रवर्तकों और प्रशासकों की दूरदर्शिता एवं महत् उद्देश्यों के साथ निरंतर सार्थक परिश्रम का ही परिणाम है कि 2 जनवरी, 1923 को प्रारंभ यह संस्थान विकास की शुंखला में कड़ी जोड़ते हुए चार विद्यार्थियों एवं दो शिक्षकों के साथ प्राथमिक विद्यालय के स्वरूप में स्थापित हुई। दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी बाहुल्य अंचल में उचित शिक्षण व्यवस्था के अभाव के चलते जिन बालक-बालिकाओं को शिक्षा सुलभ नहीं हो पा रही थी, उनको संस्था स्थापना से उदयपुर नगर में ही पढ़ाने का सुअवसर प्राप्त हुआ, जो कि इस क्षेत्र के विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में बहुमूल्य साबित हुआ।

यह शिक्षण संस्थान अपने शताब्दिककाल में ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त कर विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, शोध- केन्द्र व अन्य शैक्षिक प्रकल्पों के साथ उदयपुर में ही नहीं, अपितु देश – विदेश में ज्ञान-गंगा को प्रवाहित कर रही है। शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में रोपित यह संस्था रूपी पोधा एक सी तीन वर्षों की अनवरत यात्रा कर आज एक विशाल वटवृक्ष का आकार ले एक वैश्विक शैक्षणिक संस्था बन गयी है। सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर यहाँ के विद्यार्थियों ने राष्ट्र एवं समाज के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनायी है। यह विश्व में ऐसी अद्वितीय संस्था है जो यहाँ के पूर्व छात्रों द्वारा लोकातांत्रिक पद्धति से चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा संचालित है। यहाँ के पूर्व छात्र भारत के विभिन्न राज्यों में प्रशासनिक सेवाओं के साथ भारतीय सेना, राजनीतिक शिक्षा, चिकित्सा क्षेत्र, खेल क्षेत्र, आदि में आसानी से राष्ट्र व समाज के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं। यहाँ विश्व के अनेक देशों से अध्ययन हेतु अनेक विद्यार्थी आए जो वर्तमान में विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर संस्था को देश-विदेश में गौरवान्वित कर रहे हैं। संस्था अपने कलेवर में नये शैक्षिक आयामों को जोड़ने की स्वतिकात्मता लिए निरंतर अप्रसर होती रहे, यही हमारा व्यर्थ है।

भूपाल नोबल्स संस्थान : विकास यात्रा

1923 : कोर्ट ऑफ वाइर्स स्कूल के रूप में स्थापित होकर 25 अक्टूबर, 1923 को भूपाल नोबल्स स्कूल के रूप में प्रतिष्ठित हुआ

1923 : विद्या प्रचारिणी सभा की स्थापना

1934 : ओलड बीयज एसोसिएशन की स्थापना

1946 : रजत जयन्ती समारोह

1954 : भूपाल नोबल्स कॉलेज

1967 : प्रताप श्रौध प्रतिष्ठा

1971 : विवेक विद्या मंदिर

1973 : रत्न जयन्ती समारोह

1978 : भूपाल नोबल्स कॉलेज पोस्ट ग्रेजुएट में क्रमोन्नात

1983 : परिपुर्णित महाोत्सव

1984 : भूपाल नोबल्स फार्मसी विभाग

1988 : भूपाल नोबल्स सीनियर सैकेण्डरी स्कूल

1990 : भूपाल नोबल्स फार्मसी महाविद्यालय में क्रमोन्नात

1980 : भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

1995 : भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, उयगपुर

1995 : भूपाल नोबल्स म्यूजियम

2003 : भूपाल नोबल्स लॉ कॉलेज

2003 : भूपाल नोबल्स पब्लिक स्कूल

2003 : हीरक जयन्ती समारोह

2006 : भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, राजसमन्द

2007 : भूपाल नोबल्स इंटीग्रेटेड ऑफ फार्मस्यूटिकल साइंसेज

2011 : भूपाल नोबल्स कन्या महाविद्यालय, सतुम्बर

2012 : महाराणा महेन्द्र सिंह जिन्मेजियम

2016 : भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय

2016 : भूपाल नोबल्स कृषि महाविद्यालय

2022 : भूपाल नोबल्स इण्डोर स्टेडियम

2023 : शताब्ती महोत्सव

2023 : स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज

2024 : रिसर्च एण्ड डवलपमेन्ट सेल

सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय

B.A. (All subjects), M.A. (All subjects), Ph.D.

Contact : 9414156180, 9694699999

वाणिज्य संकाय

B.Com., M.Com. (All subjects), Ph.D.

Contact: 9413318919, 9461503457

प्रबन्धन संकाय

BBA, MBA, Ph.D

Contact: 9928889110

विज्ञान संकाय

B.Sc. (Bio//Maths/Comp. Sci.)

B.Sc. (Biotech Hon.), BCA, M.Sc. (All Subjects), M.Sc. (Microbiology & Biotechnology) PGDCA, Ph.D (All Subjects)

Contact : 9928996640, 9414156442

शारीरिक शिक्षा संकाय

B.P. Ed., M.P. Ed., M.A. in Yoga, Dip. Yoga Ed., Ph.D.

Contact: 9314495356, 9461259801

कृषि संकाय

B.Sc., M.Sc. (Agronomy) M.Sc. (HDFS), Ph.D

Contact : 9414736598

फार्मसी संकाय

D.Pharma, B. Pharma, Pharma D., M.Pharma, Ph. D.

Contact : 9414313542, 9828276046

शिक्षा संकाय

B.Ed., B.A. B.Ed., B.Sc. B.Ed., M.A. Education, Ph.D.

Contact: 9414785706

पी. जी. स्टडीज

Ph.D (All Faculties / Subjects) 9414609913

रिसर्च एण्ड डवलपमेन्ट सेल

संस्थान की अन्य इकाइयां

बी.एन.पी.जी. गर्ल्स कॉलेज, राजसमन्द

B.A., M.A., B.Com., M.Com., B.Sc., M.Sc., BBA, BCA

Contact: 9414158352, 9928579067

बी.एन. सीनियर सैकेण्डरी स्कूल (RBSE)

Arts, Commerce,Science with Agriculture, Phy. Edu.,

Contact: 9950835948

बी.एन. गर्ल्स कॉलेज, सतुम्बर

B.A., B.Com.

Contact: 9829751253, 9376769112

बी. एन. पब्लिक स्कूल (CBSE)

Arts, Commerce, Science with Agriculture

Contact 7014355344

Fully Furnished Separate Hostels for Boys & Girls. Mob. 9376769108

सह प्रकल्प

● इण्डोर एवं आउटडोर स्टेडियम

●बी. एन. क्रिकेट एकेडमी

●स्पोर्ट्स राइफल एवं पिस्टल

●शूटिंग रेंज

●जिम्नेजियम

●सीमिंग पूल

गेस्ट हाउस

●प्रताप शोर् प्रतिय्ठान

शुभेच्छु

मानद कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत-कार्यवाहक अध्यक्ष, प्रो. जम्बरसिंह सोलंकी-उपाध्यक्ष, प्रो. दरियाव सिंह चुण्डावात-उपाध्यक्ष, डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़-मंत्री, राजेन्द्र सिंह झाला-संयुक्त मंत्री, मोहनबत सिंह राठौड़-प्रबन्ध निदेशक, शक्ति सिंह राणावात-वित्तमंत्री

कार्यकारिणी सदस्य-हनुमन्त सिंह शक्तावात, नवल सिंह चुण्डावात, नकुल सिंह भाटी, कमलेश्वर सिंह सारंगदेवोत, भंवर सिंह वीरान्न, सुरेन्द्र घाताण सिंह शक्तावात, करण सिंह चुण्डावात, महेन्द्र सिंह चुण्डावात, पुष्पेन्द्र सिंह शक्तावात, डॉ. युवराज सिंह राठौड़, राजेन्द्र सिंह राणावात, कुलदीप सिंह चुण्डावात, महेन्द्र सिंह राठौड़ एवं समस्त सदस्यगण

विद्या प्रचारिणी सभा, ऑलड बीयज एसोसिएशन एवं स्टाफमण्डल

<https://www.bnuniversity.ac.in>
www.bninstitute.org

C M Y K

C M Y K

